Today's Poem – 21.05-2014

तुम यहाँ मनुष्य से देवता बनने की ट्यूशन लेने आये हो

कौड़ी से हीरा बनने आये हो

यहाँ तो बाप बच्चों को राजाई देते हैं

बाप बच्चों से पैसे नहीं लेते, सारा वर्सा मुफ़्त में देते हैं

बाप से अविनाशी ज्ञान रत्न लेना है

एक-एक रत्न लाखों रुपयों का है, इनकी वैल्यु जानकार पढ़ाई पढ़ना है

कुसंग से सदा दूर रहना है

सबसे बुद्धियोग हटाकर एक बाप में लगाना है

कारण रूपी निगेटिव को समाधान रूपी पॉजिटिव बनाओ

मेरा बाबा !!

ॐ शान्ति !!!